# IMPACT STORIES FORMAT

| | |
|---|---|
| **Story Title** | दुर्गम क्षेत्र में शिक्षा का दीपशारदा देवी की : प्रेरणादायक कहानी |
| **Date** | 01/10/2024 |
| **Prepared by** | हिमांशु मीणा |
| **Name of partner Organization** | गायत्री सेवा संस्थान |
| **Name of Daksha/Daksh** | शारदा देवी मीणा |
| **Name of SKB centre** | रुड़ीया फला |
| **Cluster** | चन्दोडा |
| **Block** | सराडा |
| **District** | सलुम्बर, राजस्थान |

**BACKGROUND/CONTEXT:**

शारदा देवी मीणा, 29 वर्ष की उम्र में, गाँव माण्डवा, पंचायत कातनवाडा, ब्लॉक सराडा की एक दृढ़ इच्छाशक्ति वाली महिला हैं। वे सखियों की बाड़ी केंद्र, रुड़ीया फला में दक्षा के रूप में कार्य कर रही हैं। यह गांव कातनवाडा बांध के पास स्थित है, जहाँ केंद्र तक पहुँचने के लिए शारदा देवी को रोजाना 3 किलोमीटर पैदल चलकर जंगल को पार करना पड़ता है। यह स्थान बेहद दुर्गम और जंगली है, जहाँ पानी की समस्या, बिजली का अभाव और अशिक्षा जैसी चुनौतियाँ सामान्य हैं।

**CHALLENGES FACED:**

रुड़ीया फला गांव पहाड़ों और जंगलों के बीच स्थित है, और शिक्षा के बारे में लोगों की जानकारी नगण्य थी। गांव के लोग मुख्य रूप से लकड़ी बेचना और बकरी पालन पर निर्भर थे। बिजली जैसी बुनियादी सुविधाओं का अभाव था, और पानी की कमी के कारण वहाँ खेती नहीं होती थी। बच्चे के मातापिता रोज सुबह उदयपुर काम करने जाते थे-, जिससे वे बच्चों पर ध्यान नहीं दे पाते थे। जब सखियों की बाड़ी केंद्र की स्थापना के लिए सर्वे किया गया, तो पता चला कि इस इलाके में शिक्षा को लेकर जागरूकता की कमी थी। इस चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में केंद्र चलाना बेहद कठिन था, और मौसम व पानी की समस्याएं भी थीं। ब्लॉक हेड हिमांशु मीणा ने शारदा देवी से संपर्क किया और उन्हें इस केंद्र की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रेरित किया।

**INTERVENTION/ACTIVITIES:**

शारदा देवी ने अपने साहस और समर्पण से इस चुनौती को स्वीकार किया। उन्होंने जंगल से यात्रा करने और बच्चों को पढ़ाने का कठिन कार्य हाथ में लिया। रोजाना जंगल से आनेजाने - कभी उन्हें पैंथर या शेर का सामना भी करना पड़ता था। लेकिन उन्होंने -के दौरान कभी अपनी जिम्मेदारी निभाई और बच्चों को शिक्षा प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास किया। गांव के बच्चों को पढ़ाई के प्रति प्रेरित करने के लिए शारदा देवी ने विभिन्न शिक्षण तकनीकों का उपयोग किया। उन्होंने बालगीत, कविताएँ, खेल खेल में पढ़ाई और टीएलएम- का प्रयोग किया (टीचिंग लर्निंग मटेरियल्स), जिससे बच्चों में शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ी। धीरे-धीरे समुदाय के लोग भी शारदा देवी की सहायता करने लगे, और अब यह केंद्र नियमित रूप से चल रहा है।

**OUTCOMES:**

शारदा देवी के समर्पण और कठिन परिश्रम के परिणामस्वरूप अब बच्चों का शैक्षिक स्तर काफी बेहतर हो गया है। केंद्र में बच्चों की उपस्थिति बढ़ी है, और समुदाय के लोग इस बदलाव से प्रसन्न हैं। शारदा देवी का संघर्ष और सफलता यह दर्शाता है कि कैसे कड़ी मेहनत और समर्पण से दुर्गम स्थानों में भी शिक्षा का दीप जलाया जा सकता है।

**GOOD QUALITY IMAGE: -** 3-4 IMAGES (Attach below)

Sunday रविवार

GPS Map Camera
Check In
कातनवाड़ा, राजस्थान, भारत
नाम-रहित सड़क, कातनवाड़ा, राजस्थान 313904, भारत
Lat 24.172397°
Long 73.764958°
02/10/24 05:09 PM GMT +05:30